

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय माध्यमिक सवाई माधोपुर

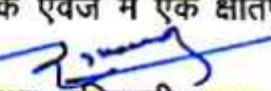
क्रमांक-जिशिअ/मुख्या/माध्य/समा/शै0प्र0/2020/1317 दिनांक-26.08.2020

समस्त संस्था प्रधान  
राउमावि/रामावि (छात्र/छात्रा)  
जिला-सवाई माधोपुर

विषय:- विद्यालयों में कार्यरत मंत्रालयिक कर्मचारी एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को द्वितीय शनिवार को कार्य के एवज में क्षतिपूर्ति अवकाश देने बाबत ।

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि राज्य सरकार के आदेश क्रमांक एफ11(14) (a) गुप 2/73 जयपुर दिनांक 1.12.1973 एवं निदेशक महोदय से सूचना के अधिकार के तहत माँगी गई सूचना के पत्रांक शिविरा/मा/सूअप्र/227/अकरम खान/चुरु/19-20/12 दिनांक 09.06.2020 एवं निदेशक के पत्रांक शिविरा/साप्र/9/1249-73 दिनांक 13.01.1974 द्वारा राज्य सरकार के आदेशानुसार समस्त राज्य कार्यालय में माह के द्वितीय शनिवार का अवकाश रहता है किन्तु विद्यालयों में कार्य करने वाले मंत्रालयिक कर्मचारी एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को इस अवकाश का उपयोग इसलिये नहीं करने दिया जाता क्योंकि इस दिन विद्यालयों में अवकाश नहीं होता है । अतः राज्य सरकार द्वारा राजस्थान स्थित समस्त राजकीय विद्यालयों में कार्य करने वाले अराजपत्रित मंत्रालयिक तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को प्रत्येक माह के द्वितीय शनिवार के अवकाश स्थान पर प्रत्येक माह एक दिवस क्षतिपूर्ति अवकाश स्वीकृत कर दिया जावे । (आदेश प्रति संलग्न)


अतः सभी संस्था प्रधानों को निर्देशित किया जाता है कि विद्यालयों में कार्यरत मंत्रालयिक कर्मचारी एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को द्वितीय शनिवार में कार्य करने के एवज में एक क्षतिपूर्ति अवकाश स्वीकृत करना सुनिश्चित करें ।

  
जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय  
माध्यमिक सवाई माधोपुर

क्रमांक-जिशिअ/मुख्या/माध्य/समा/शै0प्र0/2020/1317  
प्रतिलिपि-

दिनांक-26.08.2020

1. श्रीमान मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी जिला सवाई माधोपुर
2. समस्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जिला सवाई माधोपुर को देकर लेख है कि आप अपने-अपने ब्लॉक में उपरोक्तानुसार मंत्रालयिक कर्मचारी एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को द्वितीय शनिवार को कार्य करने के एवज में क्षतिपूर्ति अवकाश स्वीकृत करवाना सुनिश्चित करें ।

  
जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय  
माध्यमिक सवाई माधोपुर

# द्वितीय शनिवार के स्थान पर क्षतिपूर्ति अवकाश

क्रमांक : शिदिवा/साप्र/9/1249-73

दिनांक 13.01.74

राजस्थान सरकार

शिक्षा (ग्रुप 2) विभाग

एफ 11 (14) 1-(a) / ग्रुप 2/73

जयपुर दि. 1-12-1973

आज्ञा

राज्य सरकार के आदेशानुसार समस्त राज्य कार्यालयों में नाह के द्वितीय शनिवार का अवकाश रहता है किन्तु विद्यालयों में कार्य करने वाले अराजपत्रित मंत्रालयिक एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का इस अवकाश का उपयोग इसलिए नहीं करने दिया जाता क्योंकि इस दिन विद्यालयों में अवकाश नहीं होता अतः राज्य सरकार यह आदेश प्रदान करती है कि राजस्थान स्थित समस्त राजकीय विद्यालयों में कार्य करने वाले अराजपत्रित मंत्रालयिक तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को प्रत्येक नाह के द्वितीय शनिवार के अवकाश स्थान पर प्रत्येक नाह एक दिवस की क्षतिपूर्ति अवकाश स्वीकृत कर दिया जावे।

यह आज्ञा सामान्य प्रशासन (i) विभाग की राहनेति से कि उनकी अन्तर्विभागीय संख्या 410/सा.प्र./कं/23 दिनांक 17.11.73 के द्वारा प्राप्त हुई है, प्रचलित की जाती है।

ह.के.एस. गुप्ता  
सहायक शासन सचिव

शिक्षा शक्ति विभाग-2003  
सहायक निदेशक  
सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ  
माध्यमिक शिक्षा राजस्थान  
जयपुर

# कार्यालय मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी बाडमेर

क्रमांक-मुजिशिअ / बाड / 2020 / 617  
पित:-

दिनांक:- 31-8-2020

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी  
पंचायत समिति.....(समरत)जिला-बाडमेर

विषय:-विद्यालयो मे कार्यरत अराजपत्रित मंत्रालयिक कर्मचारी/चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को  
द्वितीय शनिवार को कार्य करने के एवज मे क्षतिपूर्ति अवकाश देने बाबत

महोदय,

विषयान्तर्गत लेख है कि राज्य सरकार के पूर्ववृत्ती आदेशो के संबंध मे विद्यालयो मे  
कार्यरत अराजपत्रित मंत्रालयिक कर्मचारी/चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को द्वितीय शनिवार को विद्यालय  
मे कार्य करने के एवज मे क्षतिपूर्ति अवकाश देय होता है।

अतः अधिनस्थ विद्यालयो मे इसकी पालना सुनिश्चित करावे।

(मूलाराम चौधरी)  
मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी  
बाडमेर  
दिनांक- 31-8-2020

क्रमांक-समसंख्यक / 2020 / 618

प्रतिलिपि:-निम्न को सूचनार्थ एवं पालनार्थ

1. श्रीमान निदेशक माध्यमिक / प्रारम्भिक शिक्षा राजस्थान बीकानेर
2. श्रीमान संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा विभाग जोधपुर
3. जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक / प्रारम्भिक शिक्षा बाडमेर


मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी  
बाडमेर

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक शिक्षा भीलवाड़ा  
क्रमांक: जिशिक्षा/मापु/संस्थापन/2020/1456

दिनांक 10.09.2020

कार्यालय आदेश:-

कई नव नियुक्त मंत्रालयिक सँवर्ग के कार्मिकों द्वारा अधोहस्ताक्षरकर्ता को बार-बार दूरभाष पर क्षर्तिपूर्ति अवकाश के संबंध में संस्था प्रधान द्वारा नियमों के स्पष्टीकरण के संबंध में सम्पर्क किया जा रहा है। इस संबंध में स्पष्ट निर्देश जारी किये जाते है कि क्रमांक शिविस-साप्र/ए1249/73 दिनांक 11.01.1974 द्वारा दिये गये निर्देशानुसार शिक्षा वर्ग 2 विभाग द्वारा पत्रांक 73 दिनांक 01.12.1973 की पालना में विद्यालय में द्वितीय शनिवार पर कार्य करने वाले मंत्रालयिक सँवर्ग के कार्मिकों को माह में एक दिन का क्षर्तिपूर्ति अवकाश देय है। अतः उक्त नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करावे।

  
10/9/20  
जिला शिक्षा अधिकारी  
(मुख्यालय) माध्यमिक भीलवाड़ा

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय माध्यमिक हनुमानगढ

क्रमांक:-जिशिअ/मु/मा./हनु/सस्था/2020/ 1092-

दिनांक:- 10/09/2020

समस्त राउमावि/समावि

जिला हनुमानगढ

विषय:-विद्यालयों में कार्यरत अराजपत्रित मंत्रालयिक कर्मचारी/चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को द्वितीय शनिवार को कार्य करने के एज में क्षतिपूर्ति अवकाश देने कायत ।

प्रसंग:-राज्य सरकार के परिपत्र प एफ 11(14)1-(a)/ मुप-2/73 जयपुर दिनांक 01.12.1973

उपरोक्त विषयान्तर्गत प्रांसागिक राज्य सरकार के आदेश के सम्बंध मे लेख है कि विद्यालयों में कार्यरत अराजपत्रित समस्त मंत्रालयिक कर्मचारी/चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को द्वितीय शनिवार को विद्यालय में कार्य करने के एवज में क्षतिपूर्ति अवकाश देय होता है।

अतः समस्त राजकीय विद्यालय पालना सुनिश्चित करे ।

हसराज

(हंसराज)

जिला शिक्षा अधिकारी  
मुख्यालय माध्यमिक हनुमानगढ

क्रमांक:-जिशिअ/मु/माध्य/हनु/सस्था/2020/ 1092-

दिनांक:- 10/09/2020

प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ एवं पालनार्थ प्रेषित है।

- 01:-श्रीमान निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान बीकानेर ।
- 02:-श्रीमान संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा बीकानेर संभाग बीकानेर ।
- 03:-श्रीमान मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी हनुमानगढ ।
- 04:-संबंधित मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी .....
- 05:-संबंधित संस्था प्रधान.....
- 06:-कार्यालय प्रति । .....

हसराज

जिला शिक्षा अधिकारी  
मुख्यालय माध्यमिक हनुमानगढ

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत सूचना चाहने का प्रार्थना पत्र

निदेशक  
माध्यमिक शिक्षा  
राजस्थान-बीकानेर

रजिस्टर्ड

विषय:- सूचना के अधिकार के तहत सूचना उपलब्ध करवाने बाबत।

महोदय,

प्रार्थी को सूचना के अधिकार के तहत मन्त्रालयिक कर्मचारियों की वर्तमान में प्रचलित विकट समस्याओं से संबंधित निम्न सूचनाओं की आवश्यकता है। आवेदन पत्र के साथ 10/- रू० का आई०पी०ओ० संलग्न कर भिजवाया जा रहा है। अतः सूचना उपलब्ध करवाने का कष्ट करें।

01. विद्यालयों में कार्यरत मन्त्रालयिक कर्मचारियों को द्वितीय शनिवार के दिन (एक पारी विद्यालय में 8:10 से 2:10 तक एवं 09:05 से 03:45 के समय) विद्यालय में ड्यूटी पर उपस्थित होने पर क्षतिपूर्ति अवकाश दिये जाने के विभागीय/राजकीय प्रावधान एवं नियमों की स्पष्ट जानकारी की नवीनतम सूचना/नियमों की प्रति उपलब्ध करवाई जावें।
02. विद्यालयों में कार्यरत मन्त्रालयिक कर्मचारियों को उपस्थिति पंजिका में आगमन एवं प्रस्थान के लघु हस्ताक्षर मय समय के करना अनिवार्य हैं या कार्यालय के अनुसार एक ही हस्ताक्षर किये जा सकते हैं के स्पष्ट प्रावधान/नियमों की सूचना एवं प्रति उपलब्ध करवाई जावें।

दिनांक:-

संलग्न:- आवेदन शुल्क 10/-

IPO N.& Date- 40F 869425

प्रार्थी

नूरबानो

(नूरबानो पत्नी स्व०श्री मुख्तार अली)

पता: टोडा रोड सैयद कल्ब मैदान के पास,मालपुरा

तह० मालपुरा जिला-टोंक (राज०) 304502

मोबाईल नं. 9414739080

# कार्यालय निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर

क्रमांक:- शिविरा / माध्य / साप्र / बी-2 / 4413 / (63) / 114 दिनांक 25-10-2018

गूरवानो

w/o स्व.मुख्यतार अली

टोडा रोड सैबट क्लब मैदान के पास,

मालपुरा जिला-टोंक -304502

मोब:-9414739080

विषय:- सूचना के अधिकार अधिनियम -2005 के अंतर्गत चाही गई सूचना के संबंध में।

उपयुक्त विषयान्तर्गत प्रासंगिक पत्र क आप द्वारा सूचना क अधिकार अधिनियम - 2005 क अंतर्गत चाही गई सूचना के बिंदु संख्या 01 के संदर्भ में राज्य सरकार द्वारा जारी आदेश की प्रति सलग्न कर प्रेषित है। बिंदु संख्या 02 के संदर्भ में मंत्रालयिक कर्मचारियों को उपस्थिति पंजिका में आगनन एवं प्रस्थान के लघु हस्ताक्षर मय समय का नियमों में कोई प्रावधान नहीं है।

सलग्न उपरोक्तानुसार।

सहायक निदेशक

माध्यमिक शिक्षा राजस्थान

बीकानेर

# द्वितीय शनिवार के स्थान पर क्षतिपूर्ति अवकाश

क्रमांक : शिविरा/साप्र/9/1249-73

दिनांक 13.01.74

राजस्थान सरकार

शिक्षा (ग्रुप 2) विभाग

प फ 11 (14) 1-(a) /ग्रुप 2/73

जयपुर दि. 1-12-1973

आज्ञा

राज्य सरकार के आदेशानुसार समस्त राज्य कार्यालयों में माह के द्वितीय शनिवार का अवकाश रहता है किन्तु विद्यालयों में कार्य करने वाले अराजपत्रित मंत्रालयिक एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को इस अवकाश का उपयोग इसलिए नहीं करने दिया जाता क्योंकि इस दिन विद्यालयों में अवकाश नहीं होता अतः राज्य सरकार यह आदेश प्रदान करती है कि राजस्थान स्थित समस्त राजकीय विद्यालयों में कार्य करने वाले अराजपत्रित मंत्रालयिक तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को प्रत्येक माह के द्वितीय शनिवार के अवकाश स्थान पर प्रत्येक माह एक दिवस की क्षतिपूर्ति अवकाश स्वीकृत कर दिया जावे।

यह आज्ञा सामान्य प्रशासन (1) विभाग की सहमति से कि उनकी अन्तर्विभागीय संख्या 410/सा.प्र./क/23 दिनांक 17.11.73 के द्वारा प्राप्त हुई है, प्रचलित की जाती है।

शिविरा अधिनियम-2005  
सहायक निदेशक  
सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ  
माध्यमिक शिक्षा राजस्थान  
श्रीकानेर

ह.के.एस. गुप्ता  
सहायक शासन सचिव



कार्यालय निदेशक माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान बीकानेर

क्रमांक - शिविरा/मा/सूअप्र/नितिन/जयपुर/336/18-19/6 दिनांक-31/11/17

रजिस्टर्ड पत्र

श्री नितिन कुमार सांखला  
पुत्र श्री छोटे लाल सांखला  
वार्ड न. 24, रामपुरा रोड  
शाहपुरा, जयपुर  
पिन - 303103



सूचना का  
अधिकार

विषय - सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत सूचना भिजवाने  
बाबत।


प्रसंग - आपका आवेदन पत्र दिनांक - 14.12.18

उपर्युक्त विषय एवं प्रासंगिक पत्र सूचना के अधिकार अधिनियम  
2005 के तहत आप द्वारा चाही गई सूचना बिन्दुवार निम्न है-

बिन्दु संख्या 01 - विद्यालय में कार्यरत मंत्रालयिक कर्मचारियों को प्रोविजनल  
पीरियड में द्वितीय शनिवार का क्षतिपूर्ति अवकाश संबंधित आदेश प्रति संलग्न है।

बिन्दु संख्या 02 - आपने आवेदन पत्र में किसी प्रकार की सूचना नहीं चाही  
गई है, अपितु परिवेदना निस्तारण/प्रश्नात्मक/जिज्ञासा समाधान/भविष्य में होने  
वाली कार्यवाही से संबंधित हैं जो कि अधिनियम की धारा 2(च) के प्रावधानान्तर्गत  
सूचना की श्रेणी में नहीं आती है।

संलग्न - 02

  
राज्य लोक सूचना अधिकारी एवं  
अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन)  
माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान,  
बीकानेर

कार्यालय का पता- कार्यालय निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान, बीकानेर

दूरभाष- 0151-2522238

e-mail- dir.dse@rajasthan.gov.in

fax- 0151-2201861

एक दृष्टि में

स्थायी आदेश में विधिलय 495; मुद्रि-पत्र—संगीत परीक्षाओं के लिए मान्यता 495; द्वितीय शनिवार के स्थान पर क्षतिपूर्ति अवकाश 495; वाजा-भरत 496; सेवा-नियम संशोधन 496; राज्यपत्रित अधिकारियों के लिए निर्देश 497; अनुपयोगी उपकरणों की निरस्त 498; विद्याभियों की रीत यात्रा ख्यात 500; सेवा नियुक्ति के मामलों का निपटारा 501; हस्तास की अधि में नियुक्त कर्मचारियों का वेतन भुगतान 501; मुद्रि-पत्र 501; आय-मित्तव्यपिता 501; नव हेतु प्रशासनिक नियुक्ति 502।

स्थायी आदेश में विधिलय

राजस्थान सरकार (शिक्षा विभाग)  
कार्यालय निदेशक, प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा, राज., बीकानेर  
क्रमांक : शिबिर/अनु/ए/16011/150/73 दिनांक 16-2-74  
परिपत्र

स्थायी आदेश सं. 1/73 दिनांक 10-1-73 के क्रम में विधिलय में देते हुए यह आदेश दिया जाता है कि केवल अंशकालीन अध्यापकों एवं अन्य अंशकालीन कर्मचारियों की नियुक्ति हेतु विज्ञापन प्रकाशित करना एवं नियोजन कार्यालय से प्रत्यासी नामावली प्राप्त करना आवश्यक नहीं है परन्तु ऐसी नव-नियुक्ति का अनुमोदन विभागीय अधिकारी से प्राप्त करना आवश्यक है।

Sub :- निदेशक,  
प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान, बीकानेर

मुद्रि-पत्र—संगीत परीक्षाओं के लिए मान्यता

क्र. : शिबिर/माध्यमिक/ब/22974/114//71 दि. 12-2-74  
राजस्थान सरकार  
शामान्य प्रशासन (घुप-3) विभाग  
क्रमांक : एक 9 (67) सा/प्र/क/71 दिनांक 11-1-1974  
मुद्रि-पत्र

इस विभाग द्वारा प्रसारित आदेश सं संख्या दि. 27-8-73 [सं. दि. 73—सं. 73] के अनुच्छेद 1 का शीर्षक निम्न प्रकार पढ़ा जाय—

निम्नांकित संस्थाओं से जो व्यक्ति संगीत का प्रमाण-पत्र रखते हैं उनको संगीत विषय पढ़ाने के लिए प्रशिक्षित तृतीय वेतन श्रेणी के समतुल्य माना गया है।

अनुच्छेद 2 का शीर्षक निम्न प्रकार पढ़ा जाय—

निम्नांकित संस्थाओं का जो व्यक्ति संगीत का प्रमाण-पत्र रखते हैं उनको संगीत विषय पढ़ाने के लिए प्रशिक्षित द्वितीय वेतन श्रेणी के समतुल्य माना गया है।

इस क्रम में निम्नांकित पंक्तियाँ जोड़ी जाय—

जो व्यक्ति मैट्रिकयुक्त हैं तथा उपरोक्त संस्थाओं में किसी संस्था का संगीत का प्रमाण-पत्र भी रखता है तो उसे भी प्रशिक्षित द्वितीय वेतन श्रेणी का भी जायेगी।

अनुच्छेद 3 का शीर्षक निम्न प्रकार पढ़ा जाय—

निम्नांकित संस्थाओं से जो व्यक्ति संगीत का प्रमाण-पत्र रखते हैं उनको संगीत विषय पढ़ाने के लिए परिष्ठ अध्यापक के समतुल्य माना गया है।

क्रमांक : शिबिर/प्र/5579/66/70 दिनांक 16 अक्टूबर, 1968

प्राथमिक कार्यालयों व विद्यालयों के समस्त प्रधानों को आदेश दिया जाता है कि 'शिबिर पत्रिका' में प्रकाशित आदेश परिपत्र व सूचनाओं को पूर्णतया अधिष्ठित व प्रामाणिक माना जाय और तदनुसृत कार्यवाही की जाय।

इस अनुच्छेद के उप-अनुच्छेद 7 को रद्द किया गया है। किन्तु अनुच्छेद के अन्त में निम्नांकित पंक्तियाँ जोड़ी जाकर पढ़ा जाय—

"भविष्य में जो व्यक्ति मैट्रिकयुक्त हो तथा उपरोक्त दक्षिण संस्थाओं में से किसी संस्था का संगीत प्रमाण-पत्र रखता है तो उसे योग्य परिष्ठ अध्यापक माना जाय—"

अनुच्छेद 4 को निम्न प्रकार पढ़ा जाय—

"राज्य सरकार की विभागीय परीक्षाओं की निम्नानुसार मान्यता दी गई है—

संगीत भूषण—तृतीय वेतन श्रेणी के लिए प्रशिक्षित बी. एस. टी. सी. के समकक्ष अगर व्यक्ति हाई स्कूल पास हो।

संगीत प्रभाकर—द्वितीय वेतन श्रेणी के लिए प्रशिक्षित स्नातक स्तर के समकक्ष और व्यक्ति हाई स्कूल पास हो।

संगीत निपुण—परिष्ठ अध्यापक के पद के लिए योग्य अगर व्यक्ति हाई स्कूल पास हो। —ह. बी. आर. मेहता, उप शासन सचिव

द्वितीय शनिवार के स्थान पर क्षतिपूर्ति अवकाश

क्रमांक : शिबिर/साप्र/ए/1249/73 दिनांक 11-1-74  
राजस्थान सरकार  
शिक्षा (वर्ग-2) विभाग  
क्र. : प. 11 (14) शिक्षा/घुप-2/73 जयपुर, दि. 1-12-1973  
आज्ञा

राज्य सरकार के आदेशानुसार समस्त राज्य कार्यालयों में माह के द्वितीय शनिवार का अवकाश रहता है, किन्तु विद्यालयों में कार्य करने वाले बराजपत्रित मंत्रालयिक एवम् अनुबंधी कर्मचारियों को इस अवकाश का उपभोग इसलिए नहीं करने दिया जाता क्योंकि उक्त दिन विद्यालयों में अवकाश नहीं होता। अतः राज्य सरकार यह आदेश प्रदान करती है कि राजस्थान स्थित समस्त राजकीय विद्यालयों में कार्य करने वाले बराजपत्रित मंत्रालयिक तथा अनुबंधी कर्मचारियों को प्रत्येक माह के द्वितीय शनिवार के अवकाश के

पुस्तिका का अंशिक रूप में प्रकाशित किया गया है।  
शिक्षा विभाग  
राजस्थान सरकार  
बीकानेर

स्थान पर प्रत्येक माह एक दिवस का अतिरिक्त अवकाश स्वीकृत कर दिया जाये।

यह आज सामान्य प्रशासन (क) विभाग की सहमति से, जो कि उनकी अन्तर्विभागीय संख्या 410/सा.प्र./क/73 दिनांक 17-11-73 के द्वारा प्राप्त हुई है, प्रचलित की जाती है।

—ह. के. एम. गुप्ता  
सहायक शासन सचिव

यात्रा-भत्ता

No. EDB/REC/5914/7/73

Dated 31. 12. 73.

Government of Rajasthan  
Finance (Rules) Department

No. F. 3(9)/FD(Rules)/70

Dated Jaipur, the 1st OCT., 1973.

Sub: — A. Rules

It has come to the notice of the Government that services of the Government Servants posted in subordinate offices are utilised in the district, regional or offices of the Heads of Departments in order to cope with temporary increase of work or for clearing arrears etc. Such Government servants when deputed for temporary duty either at the same station at which they are posted or at a station other than their posting are paid pay and allowances against their own posts in subordinate offices. Consequently the work in subordinate offices suffers. Audit has also raised objections to such arrangements which is prima facie justified. Government servants called for temporary duty from outstation are also paid travelling allowance and halting allowance treating them as on duty. The provisions of Rule 17(4) of Rajasthan Travelling Allowance Rules which permit such journeys as on tour when temporary duty at station for temporary transfer is for a period not exceeding 30 days unless there are orders to the contrary.

It is enjoined on all Heads of Departments, and Regional Officers that they should not utilise the staff working in the subordinate offices under them for their own office work, but should get it done by the employees working directly under their control in their own offices. Whenever there is a temporary or occasional increase in the work in an office or Department, the existing staff already employed should be utilised for doing the work, keeping in view the provisions contained in Rule 13 of Rajasthan Service Rules. It is a funda-

496

(74)

mental condition of Government servant wholetime of a Government servant disposal of Government and his services in ed in any manner required by the prop without any additional remuneration. there exist rules for grant of honora circumstances, recourse to which considered necessary by the staff of The practice of utilising the staff of offices should be up, in order a economy in travelling allowance expendi

Sd/-  
(M.S. Sec  
Finance Com

सवा-नियम संशोधन

No. EDB/REC/5912/34/73

Dated 3

Government of Rajasthan  
Finance (Gr. 2) Department

NOTIFICATION

No. F2(B) (18)FD(E-R)/65-1

Dated Jaipur, the 1 Nov

In exercise of the powers conferred i viso to article 309 of the Constitution the Governor of Rajasthan hereby makes ing rules to amend further the Rajasthan Rules, namely:—

1. These Rules may be called the Service (Amendment) Rules, 197
2. They shall be deemed to have force with effect from 1. 9. 1971
3. In the Rajasthan Service Rules :- In Note 3 of Rule 7(24), item (viii) Travelling and Daily Allowance shall be deleted.

By Order of the  
Sd/-

(सुभाष चन्द्र बोस)  
अनुमान सचिवारी  
(सुभाष चन्द्र बोस प्रकोष्ठ)  
माध्यमिक शिक्षा राजस्व विभाग  
जयपुर.  
(2)  
(M.L. Passa  
Deputy Secretary to Go

No. EDB/Estt/E/11477/74

Dated

Copy of Notification No. F. 3 (11) Ap, II/58/Part. IV dated 16.10.73 From Secretary to Govt. copy to this Directorate.

In exercise of the powers conferred by the to Article 309 of the constitution of the Governor of Rajasthan hereby makes the fi

**GOVERNMENT OF RAJASTHAN  
FINANCE DEPARTMENT  
(RULES DIVISION)**



सत्यमेव जयते

**RAJASTHAN SERVICE RULES  
Volume II**

**(Amended as on 31-07-2015)**

### III-A. Compensation (Casual) Leave in lieu of Holiday

<sup>1</sup>[1. Compulsory attendance on Sundays and other gazetted holidays justifies the grant to a member of the Ministerial establishment, of compensation (casual) leave for the number of days he is compelled to attend the office, unless the attendance is imposed on him as a penalty. The compensation (casual) leave earned under this instruction will be an addition to the 15 days' casual leave ordinarily admissible in year.

2. In order to entitle a Government servant to this additional casual leave the attendance in such cases should be under the previous written orders of the gazetted officer in charge, who should say in the order whether or not this attendance is 'compulsory'.

3. The compensation (casual) leave to the extent actually earned will be allowed by the officer competent to sanction casual leave to the Government servant concerned subject to the same conditions as are prescribed for the grant of casual leave.

**NOTE :** In lieu of the above instruction, no claim for conveyance charges or extra remuneration will be admitted for attendance on Sunday or other holiday.]

<sup>2</sup>[**Instruction :** The aforesaid order shall also be applicable to the Class-IV Government servant from 01.01.1964.]

### Government of Rajasthan's Decision

<sup>3</sup>[1] <sup>4</sup>[The order regarding compensation (casual) leave is not applicable to the personal staff of the officers viz., Personal Assistants, Stenographers, Readers in Courts, etc., as they are expected to work with their Heads even during such holidays and are not, therefore, entitled to compensation (casual) leave.]

<sup>5</sup>[2. **Grant of compensation (casual) leave to Ministerial and Class IV Government servants who can not avail of ordinary weekly off or holidays.**

It has been brought to the notice of the Government that there do not exist adequate arrangements in the departments to allow compensation (casual) leave in lieu of weekly holidays and other gazetted holidays to the Government servants belonging to Ministerial and Class-IV services when they are compulsorily required to attend to their duties on such holidays.

2. Your attention is invited towards Part-III-A of Appendix I of Rajasthan Service Rules, Volume-II, which provides that in the circumstances, mentioned above, the ministerial and Class-IV

---

<sup>1</sup> Inserted vide F.D order NO. F.5 (1) F.D (R)/56, dated 11.01.1956.

<sup>2</sup> Inserted vide F.D Memo NO. F.1 (2) F.D (E.R)/64, dated 12.01.1964.

<sup>3</sup> Numbered vide F.D Memo NO. F.1 (19) F.D (Rules)/70, dated 25.05.1970..

<sup>4</sup> Inserted vide F.D order NO. F.7 (18) F.II/55, dated 22.10.1956.

<sup>5</sup> Inserted vide F.D Memo NO. F.1 (19) F.D (Rules)/70, dated 25.05.1970

Government servants may be allowed compensation (casual) leave provided such Government servants are not required to attend office on holidays as a penalty.

3. Government have noted this matter with concern and it is therefore ordered that suitable instructions may be issued to all heads of offices under your control to ensure that compensation (casual) leave is granted to such Government servants as and when they apply for it within a calendar year subject to the conditions laid down in Part-III-A of Ar 31/327 R. Volume-II.

4. However, where it may not be practicable to ask another Government servant to work in place of the Government servant who is required to be granted compensation (casual) leave, on account of inadequacy of the staff of the same categories, concrete proposals to provide leave reserves or to increase existing leave reserves should be sent by you to the Administrative Deptt. latest by 30.06.1970. While forwarding proposals for providing leave reserves the following points should be taken into consideration :-

- (i) Categories of Government servants required to attend to their duties compulsorily on weekly holidays and other Gazetted holidays. When they are required to attend only for half the day, this may also be mentioned.
- (ii) Number of Government servants in each category who are required to be relieved from duty on holidays or on any day on which they avail compensation casual leave.
- (iii) What is the existing system of replacing the Government servants on holidays and whether the system is working satisfactorily.
- (iv) Whether providing of leave reserves or increasing existing leave reserves would be the proper solution of the problem, if the system is not working satisfactorily. If so, proper data should be given.
- (v) Any other point which the department may like to mention taking into consideration the functioning of the department.]

#### **Government of Rajasthan's Instructions.**

<sup>1</sup>[1. A question has been raised as to whether a person who is appointed as a 'substitute' in a vacancy caused due to the Government servant being on leave, training, foreign service etc., is entitled to leave including casual leave and other concession e.g. house rent allowance, free medical treatment and attendance (including medical reimbursement) during his tenure of appointment as a 'substitute'.

The matter has been examined and it is clarified that a substitute is entitled to only pay, special pay attached to the post and dearness allowances on such pay and *ad-hoc* relief according to rules. The concessions of house rent allowance, free medical facilities etc., as admissible to regular Government servants are not admissible to him. Similarly no leave (including casual leave) will be admissible to him except leave without pay which may be sanctioned by the authority competent to sanction casual leave.

Past claims already settled otherwise may not be re-opened.]

<sup>2</sup>[2. In Finance Department memo dated 15.9.1972 (appearing as Govt. of Rajasthan's instruction No. 1 above) it has been clarified that a substitute is entitled to only pay, special pay

<sup>1</sup> Inserted vide F.D Memo NO. F.1 (19) F.D (Rules)/72, dated 15.09.1972.

<sup>2</sup> Inserted vide F.D. Memo No. F. I.(19)FD(Rules)/72, dated 13.12.1972.

attached to the post and dearness allowance on such pay and *ad hoc* relief according to rules. The concessions of house rent allowance, free medical facilities etc. as admissible to regular Government servants are not admissible to them. Similarly no leave (including casual leave) will be admissible to them except leave without pay which may be sanctioned by the authority competent to sanction casual leave.

With a view to ensure that irregular claims are not drawn and also that audit may effect proper check it has been decided that all Drawing Officers should write the words 'substitute' in the pay bills invariably against the name of such a Government servant who has been appointed as a 'substitute' in a leave vacancy.]

### <sup>1</sup>[III-B. Special Compensation (Casual) leave to R.A.C Personnel]

Special compensation (casual) leave not exceeding 31 days may be granted during the year 1966 to R.A.C personnel released by Pakistan after being prisoners of war.

### <sup>2</sup>[Restricted Holidays

It is observed that a restricted holiday is not exactly covered under Rule 7(12)(b) of Rajasthan Service Rules, as it stands at present, because on a restricted holiday, the office is not closed for transaction of Government business without reserve or qualification. However, as the restricted holidays are akin to other closed holidays, it has been decided that restricted holiday can be prefixed or suffixed to regular leave or casual leave.]

## IV. Quarantine Leave

Quarantine leave is leave of absence from duty necessitated by orders not to attend office, in consequence of the presence of infectious disease in the family or household of a Government servant. Such leave may be granted by the Head of the Office on the Certificate of a Medical or Public Health Officer for a period not exceeding 21 days, or in exceptional circumstances 30 days. Any leave necessary for Quarantine purposes in excess of this period shall be treated as ordinary leave. Quarantine leave may also be granted when necessary in continuation of other leave subject to the above maximum. Except in the cases mentioned in the notes below, no substitute should be appointed in place of a Government servant absent on Quarantine Leave. A Government servant on Quarantine Leave is not treated as absent from duty and his pay is not intermitted.

### Explanations

- <sup>3</sup>[(1) Quarantine leave is not admissible in the case of a Government servant who himself contracts an infectious disease. He will be granted leave according to leave rules.  
(2) The maximum limits of 21 and 30 days prescribed in this Rule refer to each occasion on which leave is applied for and granted.]

### NOTES

1. Cholera, Small-pox, Plague, Diphtheria, Typhus fever <sup>4</sup>[xxx] and Cerebrospinal Meningitis may be considered as infectious disease for the purpose of the rule. In the case of Chicken-pox Quarantine Leave should not be sanctioned unless the Health Officer responsible considers that because of doubt as to the true nature of the disease, for example, small-pox there is reason for the grant of such leave.

---

<sup>1</sup> Inserted vide F.D. Order No. F.1(79)FD (E-R)/66. dated 8.11.1966, effective from 9.2.1966.

<sup>2</sup> Added vide F.D. Memo No. F.I. (49) FD (Gr.2)/82. dated 15.9.1990

<sup>3</sup> Inserted vide F.D. Order No. F.7(18)F.II/55. dated 3.12.1955.

<sup>4</sup> The words "measles" and "mumps" Deleted vide F. D. Order No. 1009/R/57. F.I (125) FR/56 dated 22.2.1957

के पूर्व किसी विशिष्ट खेल-घटना हेतु, विभिन्न अन्तरालों में, मान्य संघों द्वारा चलाये जा रहे गहन शिक्षण या प्रशिक्षण शिविरों में वांछित प्रशिक्षण लेने हेतु, अतिरिक्त विशेष आकस्मिक अवकाश स्वीकृति से संबंधित प्रश्न पिछले कुछ समय से सरकार के विचाराधीन रहा है। मामले पर विचार किया गया है एवं राज्यपाल यह निर्णय करने को सहमत हैं कि एशियन खेलों में भाग लेने वालों (निर्णायक या मध्यस्थों सहित) को उपरोक्त आदेशान्तर्गत वर्तमान में प्राप्त सामान्य 30 दिनों के विशेष आकस्मिक अवकाश के अतिरिक्त 30 दिन का विशेष आकस्मिक अवकाश प्रदान किया जा सकेगा।

ये आदेश जारी होने की तारीख से प्रभावी होंगे। पूर्व निर्धारित मामले पुनः नहीं खोले जायेंगे।

<sup>1</sup>12. मान्यता-प्राप्त संघों के वार्षिक अधिवेशन के लिए विशेष आकस्मिक अवकाश—संयुक्त परामर्शदात्री परिषद् के दिनांक 28-7-78 की बैठक में निर्णय लिया कि मान्यता-प्राप्त कर्मचारी संघों द्वारा वार्षिक अधिवेशन/ गोष्ठी माह के दूसरे शनिवार और रविवार के साथ आयोजित किये जाने पर उसमें भाग लेने वाले कर्मचारी को वर्ष में केवल एक दिन का विशेष आकस्मिक अवकाश स्वीकृत कर दिया जावे। इस निर्णय की क्रियान्विति इस विभाग के आदेश सं.प. 14(107)कार्मिक(क-6) 78 दिनांक 17-10-78 द्वारा की जा चुकी है। परन्तु विभिन्न मान्यता-प्राप्त संघों द्वारा अन्य किसी भी एक ही दिन के अवकाश के साथ अथवा केवल एक ही राज्य कार्य के दिन वार्षिक अधिवेशन/गोष्ठी के आयोजन का कार्यक्रम रखकर विशेष आकस्मिक अवकाश की मांग की जाती है, जो उपर्युक्त संदर्भित आदेश में निहित भावना के विरुद्ध है।

अतः स्पष्ट किया जाता है कि भविष्य में विभिन्न मान्यता-प्राप्त संघों द्वारा संयुक्त परामर्शदात्री परिषद् की दिनांक 28-7-78 की बैठक में किए गए निर्णयों के आधार पर माह में द्वितीय शनिवार तथा रविवार के साथ वार्षिक अधिवेशन/ गोष्ठी का आयोजन करने पर ही वर्ष में एक दिवस का विशेष आकस्मिक अवकाश स्वीकृत किया जावेगा। इस अवकाश की आवश्यकता उसी समय पड़ेगी जब अधिवेशन/गोष्ठी कार्यक्रम तीन दिवस का हो।

<sup>2</sup>सेवा निवृत्त होने वाले कर्मचारियों के लिये अवकाश की गणना—(1) साधारणतया एक राज्य कर्मचारी को एक वर्ष में 15 आकस्मिक अवकाश दिये जाते हैं, पर एक कर्मचारी के साल के भीतर सेवा निवृत्त होने पर, आकस्मिक अवकाश साधारण नियमों के अन्तर्गत निम्न रूप से स्वीकृत होंगे—(अ) सेवा निवृत्त वर्ष में तीन माह से या उससे कम समय की सेवा होने पर—5 दिन तक; (ब) सेवा निवृत्त वर्ष में तीन माह से ज्यादा व छ माह तक सेवा में होने पर—10 दिन तक; (स) सेवा निवृत्त वर्ष में छः माह से ज्यादा सेवा में होने पर—15 दिन तक। (2) सेवा में मृत्यु के मामले में उपरोक्त आदेश लागू नहीं होगा। (3) ये आदेश दिनांक 1-1-2002 से लागू होंगे, पुराने मामले वापस नहीं खोले जायेंगे।

### <sup>3</sup>III क. छुट्टी के बदले में क्षतिपूर्ति (आकस्मिक अवकाश)

1. रविवारों तथा अन्य राजपत्रित छुट्टियों में अनिवार्यतः लिपिक वर्गीय कर्मचारी वर्ग के सदस्य को जितने दिन तक उस कार्यालय में उपस्थित होने के लिए बाध्य किया गया हो उतने ही दिनों तक उसे क्षतिपूर्ति (आकस्मिक) अवकाश देना उचित होगा, सिवाय उस दिशा में जब कि उक्त उपस्थिति दण्ड के रूप में उस पर लागू की गई हो। इस प्रकार प्राप्त किये गये क्षतिपूर्क अवकाश साधारण रूप में देय 15 आकस्मिक अवकाशों के अतिरिक्त होंगे।

2. उक्त अतिरिक्त आकस्मिक अवकाश का हकदार किसी राजकीय कर्मचारी को बनाने हेतु उसकी उपस्थिति प्रभारी राजपत्रित अधिकारी के पूर्व लिखित आदेशों के अधीन होनी चाहिये, जिसे उस आदेश में यह लिखना चाहिए आया उक्त उपस्थिति अनिवार्य है अथवा नहीं।

वास्तव में अर्जित हुई सीमा तक क्षतिपूर्ति अवकाश की अनुमति उसी अधिकारी द्वारा दी जा सकेगी जो सम्बन्धित राजकीय कर्मचारी को आकस्मिक अवकाश स्वीकृत करने में सक्षम है और उन्हीं शर्तों के अधीन रहेगी जो आकस्मिक अवकाश प्रदान करने के लिए निर्धारित है।

**टिप्पणी**—उपरोक्त निदेश पर रविवार या अन्य छुट्टी के दिन उपस्थित होने के लिए कोई वाहन या अतिरिक्त वेतन स्वीकृत नहीं होगा।

<sup>4</sup>निर्देश—उपरोक्त आदेश चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों पर 1-1-1964 से लागू होगा।

<sup>5</sup>राजस्थान सरकार का निर्णय—क्षतिपूर्क आकस्मिक अवकाश सम्बन्धी आदेश अधिकारियों के निजी कर्मचारी वर्ग पर लागू नहीं होगा, नामार्थ निजी सहायकगण, आशुलिपिकगण, न्यायालयों के वाचकगण (रीडर्स) आदि, क्योंकि उनसे यह आशा की जाती है कि वे अपने कार्यालयाध्यक्षों के साथ ऐसी छुट्टियों में भी कार्य करेंगे और इसलिए वे आकस्मिक अवकाश पाने के हकदार नहीं हैं।

1. परिपत्र क्र.प.14(2)कार्मिक(क-5)21 दिनांक 1-10-1982
2. आदेश सं. एफ. 1(8) वित्त (नियम)/95 दिनांक 20-2-2002 द्वारा जोड़ा गया।
3. वित्त विभाग आदेश सं.एफ. 5(आर)56 दिनांक 11-1-1956 द्वारा निविष्ट।
4. वित्त विभाग आदेश सं. 1(3)वि.वि./व्यय-नियम/64 दिनांक 12-1-1964 द्वारा निविष्ट।
5. वित्त वि. आज्ञा सं.7(18)एफ.11/53, दिनांक 22-10-1956 द्वारा निविष्ट।



**1 लिपिक वर्गीय और चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारियों, जो कि सामान्य साप्ताहिक छुट्टियों का उपभोग नहीं कर सकते, को क्षतिपूरक आकस्मिक अवकाश की स्वीकृति**

सरकार के ध्यान में लाया गया है कि लिपिक वर्गीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए सामान्य साप्ताहिक छुट्टियों और अन्य राजपत्रित छुट्टियों के बदले में, जबकि उन्हें इन छुट्टियों में अनिवार्य रूप से कर्तव्य पर उपस्थित होने की आज्ञा दी जाती है, क्षतिपूरक आकस्मिक अवकाश की अनुमति देने की व्यवस्था नहीं है।

2. राजस्थान सेवा नियम खण्ड II परिशिष्ट I के भाग III-क की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है जिसमें यह प्रावधान है कि उपरोक्त परिस्थितियों में, लिपिक वर्गीय और चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारियों को क्षतिपूरक आकस्मिक अवकाश की अनुमति दी जा सकती है परन्तु यह कि दण्ड रूप में इन राज्य कर्मचारियों को छुट्टियों में कार्यालय में उपस्थित होने को नहीं कहा गया हो।

3. राज्य सरकार ने इस मामले में चिन्ता व्यक्त करते हुए यह कहा कि अपने नियन्त्रणाधीन समस्त कार्यालय अधिकारियों को इस प्रकार के उचित निर्देश दिये जावें कि वे यह निश्चित करें कि जैसे और जब उपरोक्त राज्य कर्मचारी क्षतिपूरक आकस्मिक अवकाश हेतु आवेदन दें, उन्हें एक कलेण्डर वर्ष में राजस्थान सेवा नियम खण्ड II, भागा परिशिष्ट I के भाग III-क में लिखित शर्तों के अनुसार स्वीकृति प्रदान की जावे।

4. फिर भी जहां अन्य राज्य कर्मचारी को उस वर्ग का अपर्याप्त स्टाफ के कारण यह करना सम्भव नहीं हो कि वह राज्य कर्मचारी, जिसे क्षतिपूरक आकस्मिक अवकाश की स्वीकृति देनी है, के स्थान पर कार्य करे, यह आवश्यक है कि अवकाश हेतु अवकाश-आरक्षण (leave reserve) स्टाफ और विद्यमान आरक्षित स्टाफ में वृद्धि हेतु ठोस प्रस्ताव दिनांक 30-6-1970 तक प्रशासनिक विभागों को भेजे जावें। अवकाश आरक्षण (leave reserve) स्टाफ देने के प्रस्तावों में निम्न बिन्दुओं पर विचार किया जावे—

(i) राज्य कर्मचारियों के कौनसे वर्ग को सामान्य साप्ताहिक छुट्टियों और राजपत्रित छुट्टियों में अनिवार्य रूप से बुलाया जाता है जब उन्हें आधे दिन के लिए बुलाया जाता है उसका उल्लेख भी किया जावेगा।

(ii) छुट्टियों या अन्य दिनों जब उन्हें वे क्षतिपूरक आकस्मिक अवकाश उपभोग करेंगे उनके स्थान पर प्रत्येक वर्ग में कितने राज्य कर्मचारियों को कार्य से मुक्त किया जावेगा।

(iii) छुट्टियों में प्रतिस्थापित करने को वर्तमान व्यवस्था क्या है और क्या वह व्यवस्था संतोषप्रद रूप से चल रही है।

(iv) क्या अवकाश आरक्षित (leave reserve) स्टाफ या विद्यमान अवकाश आरक्षित स्टाफ में वृद्धि करना उक्त समस्या का उचित समाधान होगा। यदि वर्तमान व्यवस्था संतोषप्रद रूप से कार्य नहीं कर रही है तो उपयुक्त तथ्य दिया जावे।

(v) अन्य तथ्य या बिन्दु जो विभाग के कार्य संचालन में विचारणीय समझे जाते हों, उनका उल्लेख किया जावे।

<sup>2</sup>निर्देश 1.—एक प्रश्न उठाया गया है कि किसी राज्य कर्मचारी के अवकाश, प्रशिक्षण, विदेश सेवा आदि पर जाने से उत्पन्न रिक्त स्थान पर जो व्यक्ति किसी के बदले में नियुक्त होता है, क्या उसके अवकाश (आकस्मिक अवकाश सम्मिलित करते हुए) और अन्य रियायतों जैसे गृह-किराया भत्ता, निःशुल्क चिकित्सा और चिकित्सा-परिचर्या [चिकित्सा पुनःभरण सम्मिलित करते हुए] का हक उसके स्थानापन्न की नियुक्ति की अवधि के लिए होगा।

1. वित्त वि. ज्ञापन सं. एफ. 1 (19) वि. वि. (नियम)/70 दिनांक 25-5-1970 द्वारा निविष्ट।

2. वित्त वि. ज्ञापन सं. एफ. 1 (19) वि. वि. (नियम)/72 दिनांक 25-9-1972 द्वारा निविष्ट।

# आदर्श राजकीय उग्रसेन कुमारी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय

६५७

कानोड़-313604, जिला-उदयपुर (राज.) (C) 02957-233808

समीस कोड : 08261600902

2797

12.10.17

|  |   |
|--|---|
| प्रेषक :<br>प्रधानाचार्य<br>आदर्श उग्रसेन कुमारी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय<br>कानोड़, जिला-उदयपुर (राज.) | सेवामें<br><del>श्री आन निदेशक जी</del><br><del>आप शिक्षा राज्यपाल</del><br><del>जीवन</del> |
| क्रमांक : आ.रा.उ.कु.बा.उ.मा.वि / कानोड़ / सामान्य / 17-18 / 7  | दिनांक : 14/10/2017   |

विषय - क्षतिपूर्ति अवकाश देयता के संबंध में  
महोदय जी,

विद्यार्थीगत निवेदन है कि राजकीय विद्यालय में कार्यरत क.लि. (कु.श्री प्रियंका आह) को वर्ष के परीक्षा काल पर कार्यरत है इनकी नियुक्ति दिनांक 01/12/2015 है। परीक्षा काल में इसे 12 दिन अथवा अधिक अवकाश दिये जा रहे। परीक्षा काल में द्वितीय शनिवार को छुट्टी देने, राजपत्रित अवकाशों में विद्यालय में छुट्टी देने के एवज में क्षतिपूर्ति अवकाश देय है अथवा नही भाग दर्शन प्रदान करने की हार्थ करावे।

निर्मलायाविता  
प्रधानाचार्य

राजकीय उग्रसेन कुमारी बा.उ.मा.वि.  
कानोड़, जिला-उदयपुर (राज.)  
SEMIS Code 08261600902

कार्यालय निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान बीकानेर

क्रमांक: शिविरा/माध्य/साप्र/ए-3/उदयपुर/2014/33 दिनांक: 01/11/2017

शानाचार्य

आदर राजकीय उग्रसेन

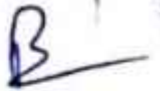
कुमारी बालिका उच्च माध्यमिक


कानोड, जिला- उदयपुर

विषय:- क्षतिपूर्ति अवकाश देयता के सम्बन्ध में।

प्रसंग:- आपका पत्र सामान्य/17-18/71 दिनांक 14-10-17

उपरोक्त विषयान्तर्गत आपके प्रासंगिक पत्र में मांगी गई सूचना के सम्बन्ध में मंत्रालयिक कर्मचारी को द्वितीय शनिवार की <sup>सुबह</sup> एवं राजपत्रित अवकाश के दिन राजकीय कर्मचारी को अनापत्त करवाए जाने पर नियमानुसार क्षतिपूर्ति (अवकाश) देयता बनती है।

  
सहायक निदेशक (प्रशा)  
माध्यमिक शिक्षा राज

 बीकानेर